जवाब दो!!! सरकार
www.jawabdosarkar.com
देश का पहला जवाबदेही पोर्टल

देश के लिए... अव्यवस्था के खिलाफ...

JAWAB DO SARKAR ™

www.jawabdosarkar.com

रेफरेंस संख्या –2021/smj/01 | E-Newsletter, Issued in Public Interest | शुक्रवार, 12 मार्च 2021

सौम्या आप संघर्ष करो!!
जयपुर आपके साथ है!!!

भाग-1

JMC Greater Mayor Somya Gurjar assumed charge on Friday.

Na khaungi, na khane dungi, says Somya Gurjar

*भारतीय संविधान के अनुच्छेद 19(1)(a) के तहत प्रकाशन एवं समस्त प्रकाशन IT Act 2000 के तहत उत्तरदायी
सर्वाधिकार@www.jawabdosarkar.com

हिंगौनिया गौशाला में 10 से ज्यादा गायें मरी देखकर महापौर हुई खफा

गोपाष्टमी पर गौ-पूजन के लिए डॉ. सौम्या गुर्जर व मुनेश गुर्जर पहुंची थी गौशाला, गायों की दुर्दशा देखकर नगर निगम के अफसरों और अक्षयपात्र ट्रस्ट के लोगों पर नाराजगी जताई

महापौर डॉ. सौम्या गुर्जर और मुनेश गुर्जर ने रविवार को हिंगौनिया गौशाला के बाड़े में पहुंचकर मृत गौवंश व गायों की दुर्दशा देखकर काफी नाराजगी जाहिर की। दोनों मेयर गोपाष्टमी पर यहां गायों की पूजा करने पहुंची थी, लेकिन यहां के हालात देखकर उनका मन खिन्न हो गया। फोटो-पहदूत

- अक्षयपात्र ट्रस्ट के लोगों और अफसरों ने कहा कि "गायें अभी मरीं हैं।" तब मेयर ने लताड़ते हुए पूछा 'क्या अभी हाथ लगाते समय ही इनकी मौत हुई है क्या?'
- गायों पर राजनीति नहीं होनी चाहिए। गौशाला की स्थिति क्रिटिकल है, डॉक्टर्स गौ-वंश की सेवा पर ध्यान दें : मुनेश गुर्जर

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। गोपाष्टमी के मौके पर महापौर डॉ. सौम्या गुर्जर और मुनेश गुर्जर ने हिंगौनियां गौशाला पहुंचकर गायों की पूजा की। इसके बाद ग्रेटर निगम की मेयर डॉ. सौम्या ने जैसे ही गौशाला के बाड़ों का जायजा लेना शुरू किया तो उन्हें काफी दुर्दशा दिखी। आईसीयू संख्या-3 में 10 गौवंश मृत मिले। जिस पर मेयर काफी खफा हुई और उपायुक्त गौशाला मोहन सिंह से फोन पर बात करके रिपोर्ट मांगी।

ताज्जुब की बात तो यह है कि मेयर के दौरे की सूचना के बावजूद उपायुक्त मौके पर नहीं पहुंचे। नगर निगम से सिर्फ एकमात्र डॉक्टर कमलेश मीना मौके पर मौजूद रहे। गौशाला के बाड़े और आईसीयू में मृत पड़ी गायों को देखकर महापौर ने जब सवाल दागे तो अफसरों से जवाब देते नहीं बना। ट्रस्ट के लोगों ने तपाक से कहा कि गायों की मौत अभी-अभी हुई है। महापौर ने अन्य मृत गायों के संबंध में वही सवाल पूछे तो अधिकारियों ने एक ही जवाब दिया। इस पर डॉ. सौम्या भड़क गई और लताड़ते हुए कहा "क्या अभी हाथ लगाते समय ही इनकी मौत हुई है क्या?

भूख से तरसती गायों को देखकर मेयर डॉ. सौम्या ने अक्षयपात्र ट्रस्ट के लोगों को लताड़ा और कहा कि गौशाला की दुर्दशा सुधारने के लिए इसका काम आपको सौंपा गया था, लेकिन यहां गायों की दुर्दशा से लग रहा है कि इनकी देखभाल ठीक तरह नहीं हो रही है। इसके बाद आखिरी छोर पर बने बाड़े तक जाकर हालात देखे। जहां कहीं पर चारे में मिट्टी मिली हुई मिली तो कहीं पर चारा फफूंद लगा हुआ और गीला मिला। जिसे कोई गौवंश नहीं खा रहा था। इससे नाराज होकर उन्होंने अफसरों को फोन करके गौशाला की पूरी रिपोर्ट मांगी और कहा कि गौशाला की इस दुर्दशा का जो भी जिम्मेदार है, उस पर कार्रवाई करेंगे।

मेयर जब गायों को हरा चारा डाल रही थी तो स्थानीय ग्रामीणों ने कहा कि अगर अक्षयपात्र ट्रस्ट के लोग इन गायों को रोजाना ऐसे ही चारा डालते तो आज इनकी यह दुर्दशा नहीं होती। स्थानीय लोगों ने कहा कि नगर निगम से मिलने वाले अनुदान के अलावा अक्षयपात्र को दानदाताओं से भी काफी रकम मिलती है, इसके बावजूद गौ-माता की देखरेख ठीक से नहीं की जा रही।

इसके बाद जब हैरिटेज निगम की महापौर मुनेश गुर्जर भी हिंगौनिया गौशाला पहुंची तो उन्होंने भी बाड़ों में जाकर हालात देखे। बाड़ों में मृत पड़ी गायों को देखकर उन्होंने भी नाराजगी जताई। उन्होंने कहा कि गायों की देखभाल की जरूरत है। क्रिटिकल अवस्था में गौवंश को यहां लाया जाता है लेकिन कम से कम यहां तो देखभाल होनी चाहिए। यहां के डॉक्टर्स को गायों की सेवा में ज्यादा फोकस करने की जरूरत है। मुनेश ने तो डॉक्टर्स को यहां तक कह दिया की गौवंश को बचाना पहली प्राथमिकता है, गायों पर राजनीति नहीं होनी चाहिए। गौशाला की स्थिति क्रिटिकल है और इसमें सुधार की जरूरत है।

निगम आयुक्त संक्रमित, गौशाला उपायुक्त नदारद

ग्रेटर निगम के आयुक्त दिनेश कुमार यादव फिलहाल कोरोना पॉजिटिव है। इस वजह से वे हिंगौनिया गौशाला नहीं पहुंच पाये। हालांकि उनका चार्ज अतिरिक्त आयुक्त अरुणा शर्मा के पास है, लेकिन वे भी मेयर के दौरे के वक्त गौशाला नहीं पहुंचे। उनके अलावा गौशाला उपायुक्त मोहन सिंह भी निरीक्षण के वक्त गौशाला में मौजूद नहीं थे, मेयर ने जब रिपोर्ट मांगी तो चिकित्सकों ने उपायुक्त के मौजूद नहीं होने की बात कही। इसके बाद महापौर सौम्या गुर्जर ने फोन पर उपायुक्त से बात कर नाराजगी जाहिर की।

महापौर ने किया विद्याधर नगर जोन का दौरा

गंदगी-अतिक्रमण के मामलों में निगम ने वसूले एक लाख

जयपुर @ पत्रिका. ग्रेटर नगर निगम में गंदगी फैलाने और अस्थाई अतिक्रमण करने वालों पर मंगलवार को सख्त कार्रवाई की गई। विद्याधर नगर जोन में सतर्कता शाखा ने कैरिंग चार्ज के रूप में एक लाख रुपए वसूले। महापौर सौम्या गुर्जर ने दौरे पर कार्रवाई के निर्देश दिए थे। वार्ड 42 में मीट की दुकान खुली मिली और स्लॉटरिंग होती मिली। महापौर ने दुकान सीज करने के निर्देश दिए।

वहीं सेक्टर 8 स्थित शॉपिंग सेंटर के शौचालय की दुर्दशा देख निगम स्तर पर इसे दुरुस्त करवाने और तत्काल सफाई करवाने के निर्देश दिए। इनका निर्माण जेडीए ने करवाया था। वार्ड 32 में बड़ी संख्या में शून्य सेट बैक पर हो रहे अवैध निर्माणों को देख महापौर ने तत्काल नियमानुसार कार्रवाई करने के निर्देश दिए।

शहर की सफाई व्यवस्था और गौमाता के प्रति चिंतित महापौर महोदया!!

अपने हाथ में ही रखा

हवा सुधारने के लिए बजट हैरिटेज

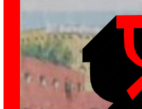

ग्रेटर प्रदूषित इसलिए: क्योंकि शहर के चारों इंडस्ट्रियल एरिया वीकेआई, मानसरोवर, मालवीय नगर और

की लेकर हुए विवाद का तोड़ निकालने के लिए अब डीएलबी और एयर पॉल्यूशन कंट्रोल के अधिकारी शहर के विकास के लिए एक गाइडलाइन तय करेंगे। उस आधार पर ही शहर के विकास कार्यों पर वित्त आयोग से मिले बजट को खर्च किया जाएगा। हालांकि शहर के चारों

82.50 करोड़ रुपए और सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट जल संरक्षण कार्यों के लिए भी 82.50 करोड़ रुपए का बजट दिया है। पॉल्यूशन कैटेगरी के तहत शहर में होने वाले विकास कार्यों की गाइडलाइन एयर पॉल्यूशन कंट्रोल के अधिकारी तय करेंगे और सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट और

• ग्रेटर ... की बात करें तो ... वाहन हैं। ग्रेटर निगम ... आबादी 24 लाख के करीब है। यहां सफाई के लिए महज 3217 कर्मचारी लगाए गए हैं।

ग्रेटर को बजट नहीं दिया तो अगली किस्त

हेरिटेज में 20... है। हेरिटेज नगर ... 16 लाख है। ... 4072 कर्मचारी ... ग्रेटर से 855 ...

गंदगी से नाराज मेयर डॉ. सौम्या ने बीवीजी कंपनी से ... जोन वापस लेने को कहा

... है कि ... ट के ... गानेर ... सफाई नगर निगम के स्तर पर शुरू की जायेगी

जयपुर ... बीवीजी ... शुरू हो गया है। ग्रेटर ... महापौर डॉ. सौम्या गुर्जर ने बदत्तर सफाई हालातों से खफा होकर कंपनी की कार्यशैली पर नाराजगी जताई। साथ ही अफसरों को साफ-साफ कहा कि एक जोन लेकर नगर निगम अपने स्तर पर कचरा संग्रहण शुरू करें। ...म के पास खुद के पर्याप्त ..., जिन्हें अधिकारी बीवीजी ... किराये पर दे रहे हैं। हालांकि ... अभी स्पष्ट नहीं किया है कि ... में निगम के स्तर पर सफाई ... माना जा रहा है कि इसकी ...सांगानेर जोन से ही होगी। ... निर्देश मंगलवार को ईसी ...अफसरों की मीटिंग में दिये। ... बैठक में अनुपस्थित रहे ...न के मुख्य सफाई निरीक्षक को 17-सीसीए का कारण ...नोटिस थमाया है।

...र डॉ. सौम्या ने साफ-साफ ... नई भर्ती में सफाई कर्मचारी ... उन्हें कार्यालयों से हटाकर ... के साथ फील्ड में काम पर भेजे। हर जोन उपायुक्त अपने क्षेत्र के वार्डों में सफाई कर्मचारियों का ट्रांसफर कर सकेगा, ताकि कहीं पर कम-ज्यादा कर्मचारियों की स्थिति बनें तो स्वयं ही निपट सकें। बाद में अगर कहीं पर गंदगी मिलती है तो कर्मचारी के छुट्टी पर होने जैसे बहाने नहीं चलेंगे। जो सफाई कर्मचारी के पद पर लगा है तो वह सफाई ही करेगा, बाकी काम नहीं करेगा। फिर चाहे वह किसी भी जाति, धर्म-संप्रदाय का हो। दरअलस इस बात की लगातार शिकायतें मिल रही थी कि गैर वाल्मिकि समाज के कुछ सफाई कर्मचारी कार्यालयों में लगे है। ऐसे में सफाई किसी एक जाति विशेष की जिम्मेदारी नहीं है। मेयर ने कहा कि मैरिज गार्डनों में अगर विवाह समारोह निर्धारित सीमा से ज्यादा लोग मिले तो जुर्माना करें और मैरिज गार्डन को तत्काल सीज करें।

मेयर ने कंट्रोल रूम का किया निरीक्षण, पशु प्रबंधन अधिकारी को एपीओ करने के लिए नोटशीट चलाई

ग्रेटर निगम : मृत पशुओं को उठाने के लिए अफसर लेते हैं ₹300 से 700

सिटी रिपोर्टर | जयपुर

नगर निगम पशु प्रबंधन अधिकारियों द्वारा मृत पशुओं का उठाने की एवज में वसूली करने का मामला सामने आया है। मृत पशुओं को उठाने के लिए कर्मचारी-अफसरों द्वारा आमजन से 300 रुपए से लेकर 700 रुपए वसूल किए जा रहे है। शनिवार को ग्रेटर निगम महापौर सौम्या गुर्जर ने कंट्रोल रूम में पहुंचकर औचक निरीक्षण करके शिकायतकर्ताओं को फोन करके ... बार में पूछा तो अफसर-कर्मचारियों द्वारा मृत पशुओं को उठाने की एवज में वसूली करने का भंडाफोड़ हुआ। तब मेयर सौम्या ने तत्काल पशु प्रबंधन अधिकारी हरेन्द्र सिंह चिराणिया को बुलाया और लताड़ लगाई। इससे पहले भी मेयर हरेन्द्र सिंह की कार्यशैली पर नाराजगी जता चुकी हैं। मेयर ने ...

इसलिए किया निरीक्षण

दरअसल ग्रेटर निगम के एक पार्षद द्वारा मृत पशुओं को उठाने की एवज में निगम के अफसरों द्वारा वसूली करने की शिकायत की थी। तब निगम महापौर सौम्या ने कंट्रोल रूम का औचक निरीक्षण किया। महापौर ने जनता से अपील की है कि निगम द्वारा मृत पशु निशुल्क उठवाए जाते हैं। ऐसे में निगम अफसर-कर्मचारियों को चार्ज नहीं दें।

की मीट की दुकानों व गोशाला में कार्यशैली को भी संदिग्ध माना था। ऐसे में मेयर ने नोटशीट चलाकर हरेन्द्र सिंह चिराणिया को एपीओ करने के लिए नोटशीट चला दी। इस संबंध में मेयर ने कार्रवाई के लिए सीईओ को लिखा है। उधर, सांगानेर जोन सीएसआई रोशन चन्द को भी सफाई के कामकाज में लापरवाही करने पर एपीओ करने के आदेश दिए हैं।

पता:-S1,झारखंड अपार्टमेंट,सगत सिंह मोड,जनरल सगत सिंह मार्ग,खातीपुरा-302012 मोबाइल:-9828346151

शहर में फैली गंदगी और मीट माफियाओं के विरुद्ध महापौर महोदया!!

महापौर गुपचुप पहुंची प्रताप नगर, दस्ता बुलाया, आठ दुकानें सील

पहले नहीं किया जगह का खुलासा, अचानक कार्रवाई से मचा हड़कंप

डेली न्यूज

जयपुर ▷ 6 दिसंबर

जयपुर नगर निगम ग्रेटर महापौर डॉ. सौम्या ने पशु नियंत्रण शाखा से जुड़े अधिकारियों और कर्मचारियों की कार्य प्रणाली को कटघरे में खड़ा कर दिया है। अवैध मीट की दुकानों पर कार्रवाई में मिलीभगत को लेकर मिल रही शिकायतों की सच्चाई जानने के लिए महापौर रविवार को पशु नियंत्रण शाखा की टीम को तैयार रहने के निर्देश देकर अकेले ही प्रताप नगर स्थित एनआरआई सर्किल पर अवैध रूप से चल रही मीट की दुकानों पर कार्रवाई के लिए पहुंच गई।

महापौर ने उपायुक्त और पशु नियंत्रण शाखा के अधिकारियों को बुलाया। महापौर दस्ते को साथ लेकर आगे पहुंची और मीट की दुकानों पर अचानक कार्रवाई शुरू करवा दी।

कार्रवाई के बाद महापौर डॉ. सौम्या ने कहा कि लगातार शिकायतें मिल रही थी कि निगम कर्मचारी दुकानों पर कार्रवाई करके माल जप्त कर लेते हैं और आगे चौराहे पर वापस माल को लौटा दिया जाता है। इसलिए मैंने टीम को रेडी करने के निर्देश दिए और यह नहीं बताया की कहां चलना है। इसके बाद यहां कार्रवाई शुरू हुई तो अव्यवस्थाएं पाई गई हैं। यहां अवैध रूप से दुकानें चल रही हैं। दो दुकानों के पास लाइसेंस थे, लेकिन वो रूल्स फॉलो नहीं कर रहे इसलिए उनके लाइसेंस रद्द होंगे।

दवाखाना भेजा गया। वहीं 980 किलो मीट को मथुरादास पूरा डम्पिंग यार्ड में डंप किया गया।

लोगों ने महापौर को बताई परेशानियां

मिलीभगत के भी आरोप लगाए।

पशु नियंत्रण शाखा पर फिर उठे सवाल

एनआरआई सर्किल के पास से ये मीट की दुकानें ...

बिना लाइसेंस चल रही मांस की 8 दुकानें सील, 980 किलो मीट डंप करवाया

पशु प्रबंधन शाखा के अफसरों की मिलीभगत पकड़ने के लिए महापौर डॉ. सौम्या गुपचुप प्रताप नगर पहुंची, सतर्कता दस्ते को भी बिना लोकेशन बताये ही मौके पर बुलाया

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। ग्रेटर नगर निगम की महापौर डॉ. सौम्या ने रविवार को प्रताप नगर स्थित एनआरआई सर्किल पर अवैध रूप से मांस बेचने वाले 8 व्यापारियों की दुकानें सीज करवायी। साथ ही मौके से जब्त 980 किलो मीट को मथुरादासपुरा डम्पिंग यार्ड में डंप करवाया। जिन दो लोगों के पास लाइसेंस मिले हैं, उनके लाइसेंस भी रद्द करवाये जाएंगे।

दरअसल निगम की पशु प्रबंधन शाखा के अफसरों की मिलीभगत पकड़ने के लिए महापौर डॉ. सौम्या गुर्जर रविवार सुबह गुपचुप प्रताप नगर स्थित एनआरआई सर्किल पहुंची। अपनी लोकेशन किसी को बिना बताये ही सतर्कता दस्ते को मौके पर बुलाया। इसके बाद पशु प्रबंधन का जिम्मा संभाल रहे अफसरों को सूचना दी। महापौर डॉ. सौम्या दस्ते को साथ लेकर आगे पहुंची और मीट की दुकानों पर अचानक कार्रवाई शुरू करवा दी।

निगम की कार्रवाई होती देख मीट व्यवसायी दुकानों से भाग खड़े हुए। यहां बिना लाइसेंस और बिना अनुमति स्लाटरिंग करने वाली 8 मीट की दुकानों को सील किया। दो दुकानों के पास लाइसेंस था, जिन्हें भी रद्द किया जाएगा। खुद महापौर पूरी कार्रवाई के दौरान मौके पर मौजूद रही। इन दुकानों से कब्जे में लिए गए जिंदा मुर्गों और फिश को दवाखाना भेजा गया। वहीं 980 किलो मीट को मथुरादास पूरा डम्पिंग यार्ड में डंप किया गया। टीम जब मौके पर पहुंची तब भी दुकानों पर खुलेआम स्लॉटरिंग की जा रही थी। सड़क पर मीट मंडी बनाकर बिक्री हो रही थी। ऐसे में यहां से गुजरने वाले लोग परेशान हो रहे थे।

स्थानीय लोगों ने मौके पर मौजूद महापौर डॉ. सौम्या को नगर निगम के अफसरों की शिकायत की और उनके सामने ही पशु प्रबंधन शाखा के अफसरों पर मीट व्यवसायियों से मिलीभगत के आरोप भी लगाये। लोगों ने कहा कि नगर निगम में लगातार शिकायतें करते रहे हैं, लेकिन इन दुकानों पर कभी कार्रवाई नहीं की गई। कुछ महिलाएं तो इन दुकानों की वजह से परेशानी बताते हुए रो पड़ी। लोगों ने बताया कि बचे हुए मीट को यहीं सीवरेज लाइनों में फेंक दिया जाता है। इसकी दुर्गंध से आसपास रहना भी मुश्किल हो गया है।

सूत्रों की मानें तो प्रताप नगर में एनआरआई सर्किल के पास ये मीट की दुकानें कई वर्षों से चल रही हैं। मगर पशु नियंत्रण शाखा ने यहां आज तक कार्रवाई नहीं की। वर्तमान में मोहन सिंह के पास उपायुक्त और कमलेश मीणा के पास मीट की दुकानों की निगरानी का जिम्मा है। ऐसे में सवाल उठता है कि आखिर बरसों से चल रही इन दुकानों पर अधिकारी मौन क्यों रहे?

कार्रवाई के बाद महापौर डॉ. सौम्या ने कहा कि लगातार शिकायतें मिल रही थी कि नगर निगम के कर्मचारी दुकानों पर कार्रवाई करके माल जप्त कर लेते हैं और आगे चौराहे पर सामान वापस लौटा दिया जाता है। इसलिए मैंने सतर्कता टीम को तैयार किया और उन्हें नहीं बताया कि कहां चलना है। इसके बाद यहां कार्रवाई शुरू हुई तो अव्यवस्थाएं पाई गई है। यहां अवैध रूप से दुकानें चल रही हैं। दो दुकानों के पास लाइसेंस थे, लेकिन वे भी तय नियम-कायदों की पालना नहीं कर रहे थे, इसलिए उनके भी लाइसेंस रद्द किये जाएंगे।

महापौर डॉ. सौम्या गुर्जर ने रविवार सुबह प्रताप नगर स्थित एनआरआई सर्किल पर पहुंचकर अवैध मांस बिक्री करने वाली दुकानों को सीज करवाया। फोटो-राष्ट्रदूत

- एनआरआई सर्किल के पास कई सालों से अवैध मीट की दुकानें है। मगर पशु नियंत्रण शाखा ने यहां आज तक कार्रवाई नहीं की। वर्तमान में मोहन सिंह के पास उपायुक्त और कमलेश मीणा के पास मीट की दुकानों की निगरानी का जिम्मा है। ऐसे में सवाल उठता है कि आखिर कई बरसों से चल रही इन दुकानों पर अधिकारी मौन क्यों थे ?
- स्थानीय लोगों ने मेयर डॉ. सौम्या की मौजूदगी में निगम के अधिकारी-कर्मचारियों पर मीट व्यवसायियों के साथ मिलीभगत के आरोप लगाए। लोगों का कहना था कि नगर निगम में कई बार शिकायतें की, इसके बावजूद कोई कार्रवाई नहीं की गई।

महापौर ... उपायुक्त ...

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

जयपुर. ग्रेटर नगर निगम की नवनियुक्त महापौर सौम्या गुर्जर ने मुख्यालय में अधिकारियों के साथ बैठक कर न सिर्फ निगम की कार्यप्रणाली को समझा, बल्कि अधिकारियों को खरी-खरी भी सुनाई। उन्होंने विद्युत शाखा के उपायुक्त से कहा कि दिवाली पर स्ट्रीट लाइट की एक भी शिकायत नहीं आनी चाहिए। इस पर उपायुक्त रमेश शर्मा ने कहा कि मजदूर घर चले गए हैं। इसलिए दिक्कत आ रही है। महापौर ने कहा कि इसकी तैयारी 15 दिन पहले से करनी चाहिए थी। मुझे कोई शिकायत नहीं मिले, इसका ध्यान रखना। इससे पहले महापौर को अधिकारियों ने प्रजेंटेशन के माध्यम से विभिन्न शाखाओं की जानकारी दी।

सफाईकर्मचारियों को लेकर उन्होंने अधिकारियों से पूछा कि हमें कर्मचारी कम क्यों मिले? उन्होंने कहा कि बंटवारे को दुरुस्त किया जाए। यदि नहीं होता है तो निगम अपने स्तर पर सफाई के नए विकल्प तलाश करेगा। इसके अलावा अवैध निर्माण को लेकर भी महापौर सख्त ...

बैठक में अधिकारियों से चर्चा करते ग्रेटर निगम की महापौर व उप महापौर।

एक जोन का काम अपने स्तर पर शुरू करो

घर-घर कचरा संग्रहण की बदहाल व्यवस्था को लेकर महापौर ने नाराजगी व्यक्त की। उन्होंने कहा कि हमारा लक्ष्य इस बार के स्वच्छता सर्वेक्षण में नम्बर एक का है। इसके लिए सभी को मिलकर काम करना होगा। यदि बीवीजी कम्पनी सही से काम नहीं कर रही है तो पायलट प्रोजेक्ट के तौर पर एक जोन का काम निगम को अपने हाथ में लेने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि बीवीजी कम्पनी गीला-सूखा कचरा भी अलग एकत्र नहीं करवा पा रही है। हूपरों को स्वच्छता सर्वेक्षण के मानकों के हिसाब से तैयार करवाए जाए। यदि कम्पनी के अधिकारी नहीं करें तो उन्हें नोटिस दो और अनुबंध को खत्म कर दो।

'न खाऊंगी न खाने दूंगी'

ग्रेटर नगर निगम महापौर सौम्या गुर्जर ने शुक्रवार को पदभार ग्रहण कर लिया। निगम मुख्यालय में बातचीत के दौरान उन्होंने कहा कि भ्रष्टाचार मुक्त शासन देना मेरी प्राथमिकता है। न खुद खाऊंगी और न ही किसी को खाने दूंगी। निगम में भ्रष्टाचार खत्म होगा। हर जरूरतमंद का काम करना मेरी प्राथमिकता में होगा। कोरोनाकाल में स्कूल फीस माफ करने वाले स्कूलों से नगरीय विकास कर मुक्त करने की घोषणा भी उन्होंने की। बृज क्षेत्र और हल्दीघाटी की माटी लेकर अपनी सीट पर बैठीं सौम्या ने कहा कि ये पवित्र माटी मुझे हमेशा इस बात का अहसास कराएगी कि जयपुर को ग्रेट बनाना है। उन्होंने अपने पति को लेकर कहा कि करौली नगर परिषद में उन्होंने बेहतर तरीके से काम किया है। कुछ लोगों ने गलत अफवाह फैलाई। राज्य सरकार पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि ग्रेटर नगर निगम का क्षेत्र बड़ा होने के बाद भी कम संख्या में सफाईकर्मी दिए, जो ठीक नहीं है।

सबको साथ लेकर चलेंगे: महापौर ने कहा कि हमारे 88 पार्षद जीते है और हमें 97 वोट मिले। मगर हम सभी 150 पार्षदों को लेकर काम करेंगे। जनता का भी पूरा सहयोग लिया जाएगा। राज्य सरकार से भी हम विकास में भागीदारी का आग्रह करेंगे।

dainiknavajyoti.com दैनिक नवज्योति

... नम्बर वन

... गंगापोल गेट पर पूजा कर शहर की समृद्धि के लिए प्रार्थना की

... प्रथम पूज्य गणेशजी ... गया। इसके बाद दोनों ... थियों के साथ गंगापोल ... पहुंचकर अतिथियों ने ... स्थित गणेश प्रतिमा की ... की सुख एवं समृद्धि ... शहर में कोरोना के ... ने जयपुर स्थापना ... सादगी से मनाया। इस ... व हैरिटेज के दोनों ... को नम्बर वन बनाने ...

... की पहचान ... रखेंगे : मुनेश

... ने कहा कि गुलाबी ... पहचान है उसे बरकरार ... को बरकरार रखते ... किया जाएगा। विश्व ... जो पहचान है उसे ... लिए सफाई व्यवस्था ... किया जाएगा।

... कला और स्थापत्य ... निगम ग्रेटर क्षेत्र में ... गुलाबी पत्थर के ... सम्बन्धित धरोहरों के ...

पिंकसिटी की भव्यता को बनाए रखें : मुख्यमंत्री

ब्यूरो/नवज्योति, जयपुर। जयपुर के 293वें स्थापना दिवस पर मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने शहरवासियों को शुभकामनाएं दी है। गहलोत ने सोशल मीडिया के जरिए कहा कि राजस्थान की कला और संस्कृति में इस ऐतिहासिक शहर का एक अद्वितीय स्थान है। ये अपनी समृद्ध विरासत के लिए दुनियाभर में प्रसिद्ध है। आइए हम इसकी शानदार ...

स्थापना दिवस पर शुभकामनाएं

राजधानी जयपुर के 293वें स्थापना दिवस पर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविन्द सिंह डोटासरा और पूर्व डिप्टी सीएम सचिन पायलट ने सभी प्रदेशवासियों और जयपुरवासियों को शुभकामनाएं दी हैं। दोनों नेताओं ने कहा कि अपनी सांस्कृतिक विरासत के लिए दुनियाभर में मशहूर राजस्थान की राजधानी गुलाबी नगरी जयपुर के 293वें स्थापना दिवस पर सभी प्रदेश ...

मेकिंग में आगे आना चाहिए

12/03/21

मिलीभगत से हो रहे अवैध निर्माण

अवैध निर्माण की रोकी 40 फाइलें, खड़ी हो गई इमारतें

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

जयपुर. अवैध निर्माण में मिलीभगत का खेल कैसे चल रहा है, यह गुरुवार को मालवीय नगर जोन कार्यालय में देखने को मिला। यहां करीब 40 अवैध निर्माण से संबंधित फाइलें तीन माह से दबाकर रख रखी थीं, जबकि, ... [illegible] ... अनिल कुमार बैरवा के पास अवैध निर्माण से संबंधित 40 फाइलें मिलीं। जिन पर बैरवा ने कोई टिप्पणी तक नहीं की ... जबकि जोन उपायुक्त ने ... फाइलों पर नियमानुसार कार्रवाई के निर्देश दे रखे थे। महापौर ने जब इस बारे में कनिष्ठ अभियंता से पूछा तो उन्होंने कोई जवाब नहीं दिया। महापौर ने उक्त अभियंता के खिलाफ उचित कार्रवाई के निर्देश

गैराज शाखा मिली 'खाली'

महापौर ने गैराज शाखा का भी औचक निरीक्षण किया। वहां पर सभी कर्मचारी अनुपस्थित मिले। उपायुक्त के पास हैरिटेज का भी चार्ज है। ऐसे में वे हैरिटेज में हूपरों को हरी झंडी दिखवा रहे थे। ... [illegible] ... निरीक्षण में ... लम्बित मिले। साथ ही सीवर ढक्कन ... बदलवाने ... गए हैं। महापौर ने सभी जिम्मेदार अधिकारियों और कर्मचारियों के खिलाफ कार्रवाई और व्यवस्थाओं को दुरुस्त करने के निर्देश दिए।

महापौर के निरीक्षण में खुली पोल

आवश्यक कार्रवाई की फाइलें भी मिली पेंडिंग

जयपुर | नगर निगम की ओर से उपलब्ध कराई जाने वाली सुविधाओं का आमजन को फायदा हो रहा है या नहीं यह जांचने के लिए गुरुवार को ग्रेटर निगम महापौर सौम्या गुर्जर ने मालवीय नगर जोन व लालकोठी गैराज का औचक निरिक्षण किया तो पोल खुल गई। निरिक्षण के दौरान महापौर ने फाइले ... जो सामने आया ... [illegible] ... करीब 40 पत्रावलियां कनिष्ठ अभियन्ता के पास पेंडिंग मिली, जो 2-3 माह से भी अधिक समय से ... [illegible] ... कुछ पत्रावलियों का अवलोकन किया तो सामने आया की कई वर्षों से लम्बित ही पड़ी है। इसे देख महापौर ने नाराजगी जताई।

लाल कोठी गैराज ...

भ्रष्ट और नाकारा अधिकारीयों/कर्मचारियों के विरुद्ध महापौर महोदय!!

2 • www.eyemantra.com • Available at all

शिकायत पर मानसरोवर में अवैध निर्माण स्थल पर पहुंचीं ग्रेटर महापौर सौम्या

जयपुर | मानसरोवर जोन में स्वर्ण पथ पर चल रहे अवैध निर्माण की परिवादी से शिकायत प्राप्त होने पर महापौर सौम्या गुर्जर ने शुक्रवार को सतर्कता शाखा के अधिकारियों के साथ निरीक्षण करने पहुंची। निर्माण कार्य बंद होने की रिपोर्ट प्राप्त होने के बावजूद मौके पर निर्माण कार्य चालू मिला, जिस पर महापौर के निर्देश पर निर्माण उपकरणों को जब्त किया गया। साथ ही बिल्डिंग को सीज करने के निर्देश दिए। इस मामले में उपायुक्त मानसरोवर से रिपोर्ट तलब की गई थी। इसमें निर्माण कार्य बंद होने की रिपोर्ट दी गई थी। जोन उपायुक्त को क्षेत्र में चल रहे सभी निर्माणों के संबंध में रिपोर्ट प्रस्तुत करने के भी निर्देश दिए हैं।

मेयर के दौरे के बाद निगम के अवैध निर्माण सीज किए

जयपुर | जगतपुरा जोन में ग्रेटर नगर निगम महापौर के दौरे के बाद में नगर निगम के अधिकारी अलर्ट हो गए है। दरअसल दौरे के दौरान महापौर सौम्या गुर्जर को अवैध निर्माण चलने की शिकायते मिली थी। ऐसे में मेयर ने अफसरों की कार्यशैली पर नाराजगी जताई थी और कार्रवाई करने के निर्देश दिए थे। मेयर के आदेशों के बाद गुरुवार को मालवीयनगर जोन व सतर्कता शाखा की टीम ने जोन में पांच अलग-अलग चल रहे अवैध निर्माण कार्यों को रूकवाया और बिना निगम की स्वीकृति के निर्माण करने पर सीज कर दिया।

शहर में हो रहे अवैध निर्माणों के विरुद्ध महापौर महोदया!!

डिजि

अस्थाई अतिक्रमण हटाए, पांच भूखंड किए सीज

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com

जयपुर. ग्रेटर नगर निगम की सतर्कता शाखा और मालवी जोन की टीम ने मनोहरपुरा बस्ती और प्रेम नगर से बड़ी में अस्थाई अतिक्रमण बालाजी मोड़ तिराहे पर ... र कार्रवाई कर ... हुए ... हटाकर सामान ... में 3 हजार ... जुर्माना ... गया।

बिल्डिंग बाइलॉज का उल्लंघन करने पर पांच निर्माणों को निगम की टीम ने सीज किया। बरकत नगर स्थित भूखंड संख्या 1204, शिव ...

सीज को खुर्द-बुर्द करने वाले भूस्वामी के खिलाफ एफआईआर दर्ज

मालवीय नगर और मानसरोवर में 3 अवैध निर्माण सीज

जयपुर। आयुक्त यज्ञ मित्र सिंहदेव के निर्दे... कार्यवाही करते हुये ... सक्षम प्राधिकारी की स्वीकृति ... मानचित्र अनुमोदन करवाये बिना हो रहे 3 अवैध ... भूमि पर ... द्वारा

व्यवसायिक उद्देष्य से तहखाना व भूतल ... अवैध निर्माण करने पर 1... व्यक्ति के खिलाफ प्राथमिक सूचना रिपोर्ट दर्ज करवाई गयी और परिसर को पुनः सीज किया गया। उन्होंने ... व्यवसायिक ... बनाया जा

राजापा... मकान... उप... सुरेश ...धरी इसे सीज क्यों नहीं

पार्षद ढूंढेंगे अवैध निर्माण और निगम के खाली भूखंड

जयपुर | नगर निगम ग्रेटर में मानसरोवर में अफसरों की अवैध निर्माण में मिलीभगत सामने आने के बाद अब अवैध निर्माण कार्यों पर सख्ती करने के लिए अफसर व महापौर ने बड़ी तैयार कर ली है। अब वार्ड स्तर पर चल रहे अवैध निर्माण कार्यों को चिह्नित करके ग्रेटर निगम द्वारा कार्रवाई की जाएगी। इसके लिए ग्रेटर निगम में सभी जोन के पार्षद अपने-अपने वार्ड में चल रहे अवैध निर्माण कार्यों को चिन्हित करके रिपोर्ट निगम मुख्यालय को देंगे। ताकि निगम के अफसर उस पर कार्रवाई करे। इस संबंध में महापौर सौम्या गुर्जर ने हाल ही में अफसरों को भी मानसरोवर में कार्रवाई के बाद अवैध निर्माण कार्यों पर कार्रवाई करने के आदेश दिए है। मानसरोवर जोन में चल रहे अवैध निर्माण में अफसरों की मिलीभगत सामने आई है। ऐसे में वार्ड पार्षदों को अभियान में शामिल किया जाएगा। ग्रेटर नगर निगम में 150 पार्षद है। उधर, हैरिटेज नगर निगम महापौर मुनेश गुर्जर ने सभी वार्ड पार्षदों को अपनी वार्ड में नगर निगम के खाली प्लाटों को चिह्नित करके उनकी रिपोर्ट मांगी है।

News Update

मेयर डॉ. सौम्या गुर्जर ने जयपुर के 5 स्टार कोकून हॉस्पिटल में परमपिता परमेश्वर की कृपा से मौनी अमावस्या के दिन ब्रह्म मुहूर्त में सुबह 5.14 बजे पुत्र को दिया जन्म

ग्रेटर मेयर डॉ सौम्या गूर्जर को पुत्ररत्न

बड़े दिनों में खुशी का दिन आया, आज कोई ना पूछे मुझसे मैंने क्या पाया, मेरे घर आया एक नन्हा राजकुमार, एक नन्हा राजकुमार, चांदनी के हसीन रथ पे सवार मेरे घर आया एक नन्हा राजकुमार

मदर मेयर; रात 8:30 बजे तक मीटिंग ली, सुबह सवा 5 बजे डिलीवरी, 3 दिन बाद ही काम भी संभाल लेंगी

10 दिन बाद बच्चे के साथ ऑफिस जॉइन करेंगी

पोस्ट में लिखा- *काम ही पूजा*

जयपुर | यह तस्वीर दूसरी बार मां बनी जयपुर ग्रेटर निगम की मेयर सौम्या गुर्जर की है। सौम्या ने गुरुवार सुबह 5:14 बजे बेटे को जन्म दिया। खास बात यह है कि सौम्या प्रसव तक काम में जुटी रहीं। बुधवार रात 8:30 बजे तक निगम अफसरों की बैठक ली। रात 9:21 बजे निगम के काम से संबंधित वीडियो रिलीज किया। सुबह बच्चे के जन्म की जानकारी भी खुद सोशल मीडिया पर दी। मेयर ने भास्कर को बताया- सोमवार से घर पर फाइलें देखूंगी। दस दिन बाद बच्चे के साथ ऑफिस पहुंचूंगी।

शी पावर... प्रसव के आठ घंटे पहले तक ग्रेटर नगर निगम मुख्यालय में ही थीं

महापौर ने रात नौ बजे तक बैठक की, सुबह पांच बजे दिया बच्चे को जन्म

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

जयपुर. ग्रेटर नगर निगम की महापौर सौम्या गुर्जर ने नारी शक्ति की मिसाल पेश की है। कर्तव्य के प्रति समर्पण दिखाते हुए महापौर प्रसव के आखिरी दिनों में भी नियमित रूप से निगम मुख्यालय आ रही थीं और आम दिनों की तरह कामकाज निपटा रही थीं। वे प्रसव से आठ घंटे पहले तक बुधवार को रात नौ बजे निगम से काम निपटाने के बाद घर निकली थीं। महापौर ने मार्च में शुरू होने वाले स्वच्छता सर्वेक्षण की तैयारियों को लेकर अधिकारियों के साथ बैठक की और जरूरी दिशा-निर्देश भी दिए। इसके बाद उन्होंने नवनिर्वाचित चेयरमैन को रूम अलॉट करने पर भी अधिकारियों से चर्चा की। इसके बाद वे घर चली गईं। रात करीब 1:00 बजे अस्पताल में भर्ती हुईं। सुबह पांच बजे उन्होंने बच्चे को जन्म दिया। सुबह 7:41 बजे महापौर ने ट्वीट के जरिए खुशी को साझा किया। उन्होंने लिखा कर्म ही पूजा है।

रात नौ बजे तक बैठक में मौजूद तथा प्रसव के बाद अस्पताल में भर्ती महापौर सौम्या गुर्जर।

इंदौर में आयुक्त ने भी पेश की थी मिसाल

इंदौर नगर निगम की आयुक्त प्रतिभा पाल ने भी ऐसी ही मिसाल पेश की थी। 12 जनवरी को उन्होंने एक बच्चे को जन्म दिया था। इससे पहले वे 12 घंटे तक नगर निगम में ही सामान्य दिनों की तरह कामकाज करती रही थीं।

// drsomyagurjar

प्रसव के चार दिन बाद संभाला काम, पत्रावलियों का किया निस्तारण

ग्रेटर महापौर का ग्रेट वर्क...

पंजाब केसरी/जयपुर

ग्रेटर नगर निगम महापौर डॉ. सौम्या गुर्जर ने एक बार फिर मिसाल पेश की है। प्रसव के महज चार दिन बाद महापौर ने काम शुरू किया। सोमवार को उन्होंने अपने निजी आवास पर पेंडिंग पत्रावलियों को निस्तारण किया। इस दौरान निगम अधिकारियों से वर्किंग की जानकारी ली। महापौर ने कहा कि निगम से जुड़ा कोई काम रूकना नहीं चाहिए। शहर के विकास का संकल्प लिया है उसे पूरा करना है। मंगलवार से जनसुनवाई शुरू की जाएगी। स्वच्छता सर्वेक्षण शुरू होने वाला है, समिति चेयरमैन को कार्यालय अलॉट करने होने हैं। इस तहर के अन्य कार्य है जो सीधे तौर निगम व आमजन से जुड़े है। इस संबंध अधिकारियों को निर्देश दिए है कि किसी तरह की लापरवाही न बरते। बता दे कि नगर निगम से जुड़े कार्यों के निस्तारण को लेकर महापौर ने अपने निजी आवास पर कार्य शुरू कर दिया है। सोमवार को एक दर्जन से ज्यादा पत्रावलियों का महापौर ने निस्तारण किया। खास बात यह है कि प्रसव काल में अक्सर प्रसुताएं आराम करती है। सरकारी नौकरी से जुड़ी महिला कर्मचारी व अधिकारी मातृत्व अवकाश पर रहती है, लेकिन महापौर डॉ. सौम्या गुर्जर ने प्रसव के चार दिन बाद कार्य शुरू कर एक मिसाल पेश की है। हालांकि महापौर ने कहा कि गांवों की महिलाएं प्रसव के कुछ दिन बाद घर व खेत में काम करना शुरू कर देती है। उनसे सिखने को मिलता है। गौरतलब कि 11 फरवरी को महापौर ने बेटे को जन्म दिया था। इसके आठ घंटे पहले वह नगर निगम में अधिकारियों के साथ स्वच्छता सर्वेक्षण विषय पर मीटिंग ले रही थी।

महापौर ने अपने निजी आवास पर किया पत्रावलियों का निस्तारण।

पंजाब केसरी Tue, 16 February 2021 mpaper.punjabkesari.com/c/58481321

जयपुर शहर के विकास को समर्पित महापौर महोदय!!

महापौर ने निगम मुख्यालय में पुनः सम्भाला काम काज

जयपुर की जनता को परेशानी में छोड़कर कैसे आराम कर सकती हूं: डॉ. सौम्या

New mom Dr Somya back to work

First India Bureau

Jaipur: The mayor of Jaipur Greater Municipal Corporation Dr Somya, who delivered a baby 14 days back, resumed office on Thursday and finished routine works.

Gurjar had worked in the office a few hours before she gave birth to a baby boy. She also started working from home few days after the delivery and on Thursday she reached her office in the corporation headquarters and started office working. All this while, she remained in touch with officials and took feedback about development works. Her dedication and spirit to work has surprised the officials. 'As a responsible Mayor, I could not stay at home. I understand the importance of duty and hence I am doing my work while fulfilling the responsibility of a mother,' she said.

Dr Somya resumes work at JMC Greater office on Thursday

आयरन लेडी साबित हुई मेयर सौम्या गुर्जर

प्रसव के 4 घंटे पहले छोड़ा और 14 दिन बाद संभाला काम-काज

कार्यालय में केक काटकर कार्य की शुरुआत

महापौर ने संभाला काम, 4 घंटे ऑफिस में रहीं मौजूद

जयपुर ग्रेटर का पदभार सँभालने से लेकर आज तक के चंद महीनों के कार्यकाल में छोड़ी जनता के ह्रदयपटल पर गहरी छाप

गत वर्ष नवम्बर माह में डा. सौम्या गुर्जर ने नगर निगम जयपुर ग्रेटर का पदभार संभाला था तक से लेकर आज तक के चंद महीनो में ही उन्होंने अपने कामों से जयपुर की जनता के ह्रदय पटल पर अपनी अमिट छाप छोड़ी है|अपने नवाचारों के दम पर ही वह अपने समकालीन अन्य महापौरों से कई कोस आगे चल रही है|यही वजह है कि नगर निगम का ख्याल आते ही जयपुर ग्रेटर की छवि और उससे जुडी खबरे ही हमारे मस्तिष्क पटल पर उभरती है|

विषम परिस्थितियों में दृढता पूर्वक खड़ी है महापौर डॉ. सौम्या गुर्जर

ऐसा नहीं है कि डा. सौम्या गुर्जर के सामने चुनौतियाँ नहीं है,वह चुनौती चाहे राज्य सरकार की तरफ से हो या विपक्षी नेताओं,स्थानीय कांग्रेसी विधायकों,मंत्री की तरफ से|लेकिन हर विषम परिस्थितियों में महापौर डॉ. सौम्या गुर्जर दृढता पूर्वक खड़ी नजर आ रही है |

महापौर के समक्ष खड़ी प्रमुख समस्याएं:-

अवैध निर्माण|

अवैध होर्डिंग|

गंदगी और सफाई व्यवस्था|

निगम की घटती आय|

राज्य सरकार द्वारा पक्षपात की निति|

अवैध डेयरियाँ|

आवारा पशु|

मीट माफिया|

अवैध बस्तियाँ|

निगम में व्याप्त भ्रष्टाचार|

यू.डी. टैक्स/गृह कर में वसूली|

महापौर महोदया, जयपुर के सतत विकास में जयपुर की जनता आपके साथ है!!!

केन्द्रीय सरकार की मध्यवर्ती दिशानिर्देश और डिजिटल मिडिया आचार संहिता के तहत जारी :- ***www.jawabdosarkar.com*** *शासन के विभिन्न अभिकरणों में पारदर्शिता और जवाबदेही को प्रोत्साहित करने हेतु स्थापित ऑनलाइन मिडिया प्लेटफार्म है| अपने उत्तरदायित्वों की पूर्ति हेतु पोर्टल द्वारा समय समय पर अपने अभियानों के माध्यम से विभिन्न विषयों / मुद्दों/ समस्याओं के सम्बन्ध में तथ्यपरक रिपोर्ट्स का प्रकाशन किया जाता है| पोर्टल द्वारा प्रकाशित रिपोर्ट्स को उससे सम्बंधित सभी पक्षों / प्रभावितों और व्यापक जन हित में अधिकतम व्यक्तियों तक पहुचाना पोर्टल की पारदर्शिता निति का हिस्सा मात्र है| पोर्टल द्वारा प्रकाशित रिपोर्ट्स का किसी व्यक्ति/ संस्था/ जाति/धर्म / संप्रदाय विशेष से कोई सम्बन्ध नहीं है| पोर्टल द्वारा प्रकाशित रिपोर्ट्स के सम्बन्ध में अपना पक्ष/ सुझाव/ आपत्तिमय सम्बंधित तथ्यों/ दस्तावेजों के पोर्टल के आधिकारिक पते:-S-1,* ***सेकंड फ्लोर,झारखण्ड अपार्टमेंट,जनरल सगत सिंह मोड़ खातीपुरा रोड,जयपुर*** *अथवा ईमेल :-jawabdosarkar01@gmail.com अथवा व्हाट्सअप न. 9828346151 पर प्रेषित कर सकते है| आपके पक्ष/ सुझाव/ आपत्ति को उचित होने पर इस रिपोर्ट के अगले अंक में प्रकाशित कर दिया जायेगा|*